ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

मैं बाबा के
नयनों में
समाने वाली
एकदम हल्की
आत्मा हूँ

Thought Management

जो व्यक्ति जितना अधिक सोचता है, उसे पुरुषार्थ में उतनी ही अधिक मेहनत करनी पड़ती है। क्योंकि हमारे संकल्प ही हमें एक रस होने में रुकावटें पैदा करते हैं।
इसलिए प्रयास यही किया जाए
कि कम से कम सोचा जाए।
निरंतर आगे बढ़ने के लिए अनावश्यक संकल्पों पर तुरंत पूर्ण विराम लगाया जाए।

Om Shanti

Brahma Kumaris
Daily Vichar

यदि कोई आपको परेशान करे तो समझ लीजिये
कि वास्तव में वो आपसे अधिक परेशान है,
क्योंकि मनुष्य दूसरों को वही दे सकता है
जो उसके पास है।
इसलिये आप उसके लिये सदा
दयादृष्टि व शुभ भावना रखें।

Om Shanti

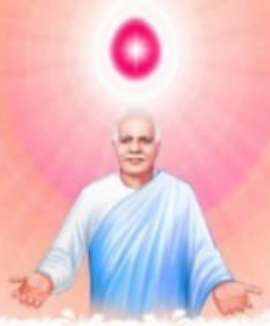

अव्यक्त शिक्षाएँ

दीपमाला आप सबकी तीन विशेषताओं का यादगार है- एक है समीपता- समीपता में स्नेह समाया हुआ है। अगर माला में स्नेह का, समीपता का आधार न हो तो माला नहीं बन सकती। मणका मणके से वा दीपक- दीपक से जब स्नेह से समीप आता है तब ही माला कहलाई जाती है। स्नेह अर्थात् 'समीपता'। स्नेह की निशानी समीपता ही होती है।

दूसरी- सम्पन्नता। दीपमाला सम्पन्नता की निशानी है। सिर्फ़ एक लक्ष्मी धन की देवी नहीं है लेकिन आप सभी धन से सम्पन्न देवियाँ हो। धन देवी होने के कारण धन्य देवी भी गाये जाते हैं। तो धन देवी-धन्य देवी यह सम्पन्न्ता की निशानी है।

तीसरी बात सम्पूर्णता। सम्पूर्णता अर्थात् सदा जगे हुए दीपक। बुझे हुए दीपकों की दीपमाला नहीं कही जाती। जगे हुए दीपक की दीपमाला कही जाती। तो सदा एक रस जगे हुए दीपकों की निशानी सम्पूर्णता है।

तो दीपमाला समीपता, सम्पन्नता और सम्पूर्णता की विशेषताओं का यादगार है। इसलिए दीपमाला को बड़ा दिन भी कहा जाता है।

अ.बापदादा-11.11.85

सर्व आत्माओं को शक्ति की समर्थी देने की विधि

बापदादा- 18.01.2004

सर्व आत्मायें इस समय समर्थी अर्थात् शक्तियों की भिखारी हैं, आपके जड़ चित्रों के आगे माँगते रहते हैं। तो बाप कहते हैं 'हे समर्थ आत्मायें सर्व आत्माओं को शक्ति दो, समर्थी दो'। इसके लिए सिर्फ एक बात का अटेन्शन हर बच्चे को रखना आवश्यक है - जो बापदादा ने इशारा भी दिया, बापदादा ने रिजल्ट में देखा कि मैजारिटी बच्चों का संकल्प और समय व्यर्थ जाता है। जैसे बिजली का कनेक्शन अगर थोड़ा भी लूज हो वा लीक हो जाए तो लाइट ठीक नहीं आ सकती। तो यह व्यर्थ की लीकेज़ समर्थ स्थिति को सदाकाल की स्मृति बनाने नहीं देती, इसलिए वेस्ट को बेस्ट में चेन्ज करो। बचत की स्कीम बनाओ। परसेन्टेज निकालो - सारे दिन में वेस्ट कितना हुआ, बेस्ट कितना हुआ? अगर मानो 40 परसेन्ट वेस्ट है, 20 परसेन्ट वेस्ट है तो उसको बचाओ। ऐसे नहीं समझो थोड़ा-सा ही तो वेस्ट जाता है, बाकी तो सारा दिन ठीक रहता है। लेकिन यह वेस्ट की आदत बहुत समय की आदत होने के कारण लास्ट घड़ी में धोखा दे सकती है। नम्बरवार बना देगी, नम्बरवन नहीं बनने देगी। जैसे ब्रह्मा बाप ने आदि में अपनी चेकिंग के कारण रोज़ रात को दरबार लगाई। किसकी दरबार? बच्चों की नहीं, अपनी ही कर्मेन्द्रियों की दरबार लगाई। ऑर्डर चलाया - हे मन मुख्य मंत्री यह तुम्हारी चलन अच्छी नहीं, ऑर्डर में चलो। हे संस्कार ऑर्डर में चलो। क्यों नीचे ऊपर हुआ, कारण बताओ, निवारण करो। हर रोज़ ऑफिशल दरबार लगाई। ऐसे रोज़ अपनी स्वराज्य दरबार लगाओ।

परमात्म इशारे

Peace of Mind

जहाँ प्रेम है,
वहाँ सन्तुष्टता, खुशी, सुख,
अर्थात् सभी गुण
और सभी शक्तियाँ विद्यमान होती हैं।

d2h 1221 | dishtv 1087 | TATA PLAY 1065
airtel 678 | SUN DIRECT 496 | JioTV 1065

SILENCE IS GOLDEN.

WORDS ARE VIBRATIONS.

THOUGHTS ARE MAGIC.

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org